# दूसरा वर्ष

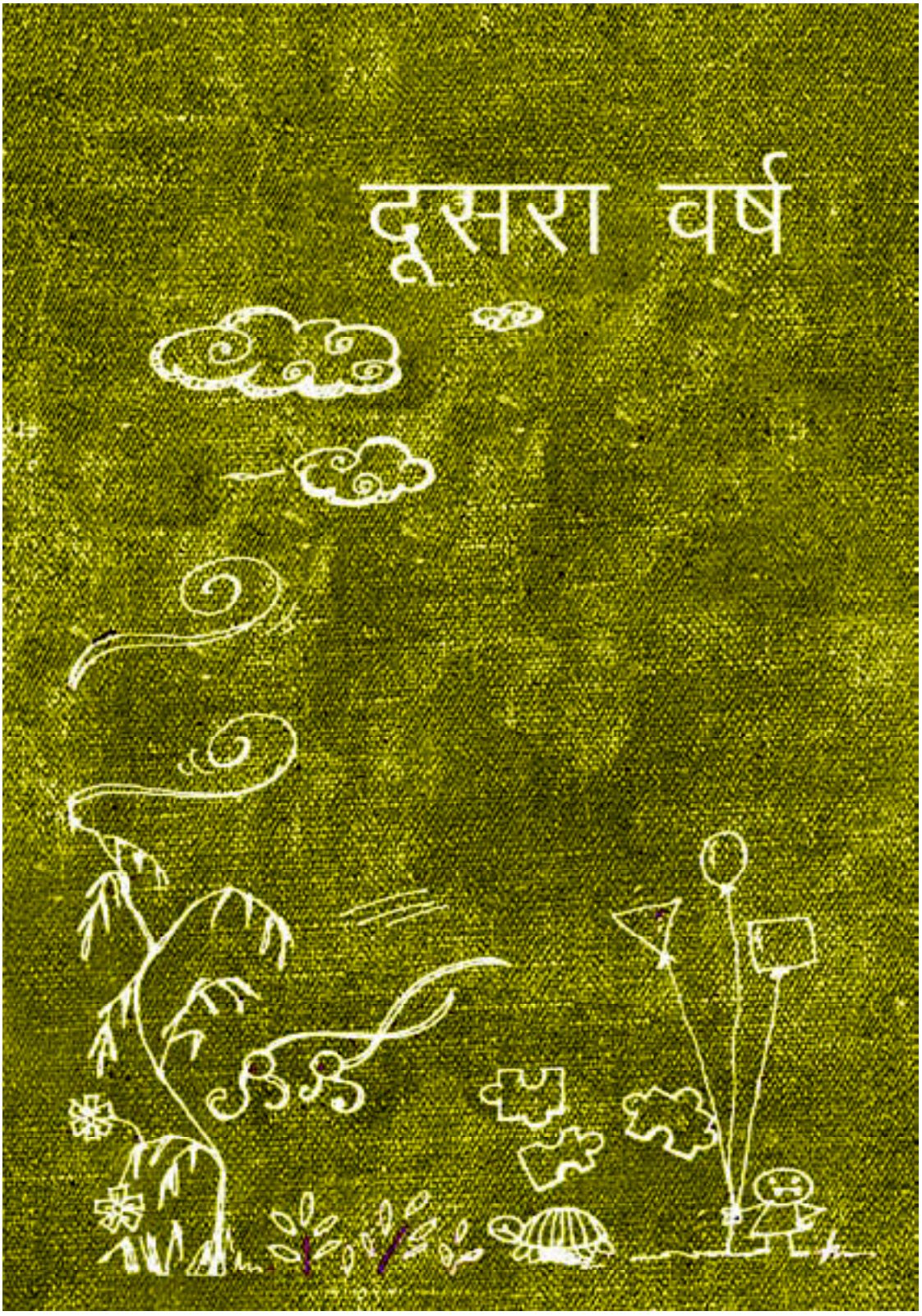

# 4

# हमने नई शुरुआत की

*शुक्रवार, 27 अगस्त 1937*

व्यस्त गर्मियाँ गुज़र चुकी हैं और अब मुझे अपना ध्यान स्कूल के नए सत्र पर केन्द्रित करना है। मैंने इकत्तीस बच्चों की सूची को ध्यान से देखा। मैं जब उनसे पहली बार मिली थी तब से वे एक साल बड़े हो चुके हैं। सूची में चार नए बच्चे भी हैं:

एलिज़ाबेथ प्रिन्लैक, उम्र 7 वर्ष 8 माह

फ्लोरेंस हिल, उम्र 5 वर्ष 9 माह

चार्ल्स विलिस, उम्र 5 वर्ष 1 माह

एरिक थॉमसन, उम्र 5 वर्ष 1 माह

तीन बच्चे समूह छोड़ चुके हैं: ओल्गा शहर में काम कर रही है, एना कस्बे के हाई स्कूल में पढ़ रही है, और फ्रैड लुत्ज़ गर्मियों में यहाँ से जा चुका है।

पठन, वर्तनी और गणित के समूह मैंने फिर से बनाए। सामाजिक अध्ययन और विज्ञान व स्वास्थ्य के विषयों के लिए हम दो-दो समूह बनाएँगे। फिलहाल हम पिछले साल के अन्त में हमारा जो दैनिक कार्यक्रम था उसी के हिसाब से काम करेंगे, जब तक हमारी नई योजना नहीं बन जाती।

*सोमवार, 30 अगस्त*

आज शाला भवन गई। द्वार के पास जालियों के सहारे लगी गुलाब की झाड़ियाँ बड़ी हो चुकी हैं। रूथ ने बताया कि गर्मियों में उनमें से एक पर गुलाब के फूल भी खिले थे।

मैं रास्ते में पड़ने वाले घरों में अभिवादन करने रुकी। रूथ 4-एच क्लब के शिविर में गई थी। उसने मुझे अपना कीड़ों का संग्रह दिखाया। श्री थॉमस अब भी सड़क पर हमेशा की तरह ही मेहनत-भरा काम कर रहे हैं। बीच-बीच में वे लकड़ियाँ काटकर बेचते हैं। मैंने उस व्यक्ति को कभी सुस्ताते नहीं देखा।

सामेटिस बच्चे मुझे मिलकर खुश हुए। कैथरीन दुबली हो गई है, पर सोफिया और विलियम का वज़न बढ़ा है। उनके घर गर्मियों में कुछ लोग किराए पर रहने आए हुए हैं जो अपना खाना खुद बनाते हैं। ये सभी आवासी चारों तरफ खड़े बच्चों के साथ मेरी बातचीत सुनते रहे। सोफिया ने सन्तरों के डिब्बे इकट्ठे किए हैं जिनकी लकड़ी का उपयोग स्कूल का फर्नीचर बनाने में किया जाएगा। इन बच्चों को गर्मियों में अपने पसन्दीदा काम करने की फुर्सत नहीं मिल पाई है।

श्रीमती विलियम्स बीमार रहीं। चारों बच्चे घर पर कम ही समय बिता पाए। वे अपने विभिन्न रिश्तेदारों के यहाँ बारी-बारी से जाते रहे, और ये गर्मियाँ उनके लिए बढ़िया व हितकारी रहीं।

जोन्स परिवार के यहाँ सिर्फ मार्था, इनेज़ और उनकी दादी मिले। रैल्फ ने गर्मियों का ज़्यादातर समय अपने पिता के साथ गैराज में काम करते हुए बिताया। मुझे यह सोचकर भय लग रहा है कि जब वह वापिस स्कूल आना शुरू करेगा तो इसका क्या अर्थ होगा। मार्था ने कीड़ों और दबाई हुई पत्तियों का अपना संग्रह मुझे दिखाया।

हिल बच्चे लॉन में से दौड़ते हुए मुझे मिलने के लिए आए। श्री हिल एक बसन्त घर बना रहे हैं। एल्बर्ट ने मुझे दिखाया कि उसके घर के पास बहने वाले नाले में कहाँ से मॉडल बनाने की बढ़िया चिकनी मिट्टी मिल सकती है। वॉरेन ने मुझे दिखाया कि कैसे उसका टिकटों का संग्रह बढ़ चुका है। लड़कों ने कुछ इल्लियाँ इकट्ठी कर ली हैं, जिन्हें वे तब तक पत्ते खिला रहे हैं जब तक वे अपना रेशमकोश नहीं बुन लेतीं।

एडवर्ड ने आज दोपहर हमारी औज़ार अलमारी में ताकें बनाने और उनमें हुक लगाने में मदद की ताकि हम अपने नए औज़ार लटका पाएँ। गर्मियों में शाला कोष से सात डॉलर खर्चकर मैं औज़ारों का एक नया सेट खरीद लाई थी। हम लकड़ी कम्पनी में गए ताकि अपने तीन पाट के पर्दे और चित्र-फलकों के लिए लकड़ी का ऑर्डर दे सकें।

*मंगलवार, 31 अगस्त*

आज क्या-क्या नहीं सुना और देखा मैंने! साथ-साथ जीने और काम करने में जो समस्याएँ होने वाली हैं उनका सामना करने के लिए पूरे साहस और समझदारी की ज़रूरत होगी।

प्रिन्लैक व ओल्सेउस्की परिवारों के बीच का पुराना झगड़ा फिर से उभर आया है। कोर्ट-कचहरी, गाली-गलौज, पत्थर फेंकना, सब कुछ हुआ है, यहाँ तक कि कुछ गोलियाँ भी चल चुकी हैं। लगता है कि फ्रैंक ने सबसे ज़्यादा फसाद किया है। ओल्सेउस्की परिवार मुझसे मदद माँग रहा है। मैं क्या कह सकती हूँ?

प्रिन्लैक परिवार के यहाँ जाने पर पता चला कि उनकी गुज़र-बसर बड़ी मुश्किल से चल रही है। श्री प्रिन्लैक ने मुझसे कहा, "अगर इन्सान गरीब हो तो ताउम्र गरीब ही बना रहता है।" श्रीमती प्रिन्लैक ब्रेड बना रही थीं। लौटने से पहले उन्होंने मुझे घर ले जाने के वास्ते ढेर-सारी बेरियाँ दीं। मेरे झिझकने पर उन्होंने बताया कि उनके पास छब्बीस बड़े मर्तबान भरे हैं। जब मैं गाड़ी से उनके घर की तरफ आई, उस वक्त फ्रैंक और जॉर्ज ऊपर जाकर छिप गए थे। जब तक मैं वहाँ थी वे चिमनी के एक सुराख में से ताकते रहे और बातें सुनते रहे। इन परिस्थितियों से घिरे बच्चों के लिए स्कूल क्या कर सकता है? इतनी लाचारी मुझे पहले कभी महसूस नहीं हुई थी।

जब मैं कार्टराइट परिवार के यहाँ पहुँची तो सभी बच्चे पिछवाड़े में जा छुपे और वहीं से झाँकते रहे। नज़रें मिलने पर वे मुस्कुराने लगते पर तुरन्त वापस छिप जाते। कार्टराइट परिवार का बाग बेहद खूबसूरत है जिसकी देखभाल लड़के करते हैं, पर उन्होंने फल-सब्ज़ियों का एक भी डिब्बा बचाकर नहीं रखा।

आज पहली बार थॉमस के पिता और सौतेली माँ से परिचय हुआ। श्रीमती लैनिक मुझे मिलकर खुश लगीं और उन्होंने थॉमस के बारे में काफी बातें मुझे बताईं। माता-पिता के तलाक के बाद थॉमस अपनी दादी के पास रहने चला गया था। वह मर्ज़ी होती तभी स्कूल जाता। जब थॉमस की सौतेली माँ उसके पिता के साथ रहने लगीं तो थॉमस को यह अच्छा नहीं लगा और वह उनसे बदसलूकी वाला और विद्रोही बर्ताव करने लगा। श्रीमती लैनिक थॉमस को "अच्छा" लड़का बनाने की कोशिश कर रही हैं। वे उसे साफ रखती हैं और उसके लिए घर को भी साफ-सुथरा रखती हैं। वे अब भी मानती हैं कि थॉमस

दरअसल खराब लड़का है, और वह कुछ खास नहीं बन सकेगा।

श्रीमती डूलियो मुझे तहखाने में ले गईं और उन्होंने मुझे सब्ज़ियों, जंगली फलों और कुकुरमुत्तों की वे तमाम बोतलें दिखाईं जो उन्होंने और एण्ड्रयू ने मिलकर तैयार की थीं। उन्होंने मुझे वह स्थान भी दिखाया जहाँ वे गाजर व चुकन्दर गाड़ेंगी, और वे डिब्बे दिखाए जिनमें वे सेब रखेंगी। वे गर्मियों में कहीं नहीं गए थे। उनके घर न रेडियो है, न ही अखबार आते हैं। वे बस इसी किराए के खेत के काम में जुटे रहते हैं ताकि इतने पैसे बचा लें कि खुद का छोटा-सा खेत खरीद सकें। फिर भी सभी कठिनाइयों के बावजूद इस परिवार में खुशी भी है। जब एण्ड्रयू अपनी माँ को देखता है तो उसकी आँखों में स्नेहभरी रोशनी झलकती है। श्रीमती डूलियो उसे "मेरा घुँघराले बालों वाला" कह बुलाती हैं। उनका दर्शन बड़ा सरल है: मेहनत करो और जिस बारे में तुम कुछ नहीं कर सकते, उसकी चिन्ता छोड़ दो।

एण्ड्रयूस् परिवार के यहाँ जाना ऐसा लगा मानो रेगिस्तान में नखलिस्तान पहुँच गए हों। लड़कियाँ स्कूल खुलने का बेताबी से इन्तज़ार कर रही हैं ताकि अपने विचारों को साकार कर सकें। श्रीमती एण्ड्रयूस् ने बताया कि उनकी गर्मियाँ आराम से कटीं। उन्होंने कई फिल्में देखीं। डॉरिस के टॉन्सिल निकाल दिए गए। उनके घर का वातावरण खुशनुमा और प्यारा था। घर लौटते समय श्रीमती रेमसे मिलीं। वे अपनी नन्ही बेटी को कस्बे के स्कूल भेजती रही हैं, पर इस साल वे उसे स्टोनी ग्रोव भेजना चाहती हैं क्योंकि उन्होंने हमारी शाला की काफी तारीफ सुनी है। आइरीन छह साल की है। उसके आने पर हमारा नामांकन बत्तीस हो जाएगा।

और अब, पिछले दो दिनों के अनुभव पर विचार करने पर, मैं आने वाले दिनों में अपने काम के बारे में सोचकर ज़रा-सा भयभीत हूँ। शायद शुरुआत यही मानकर करनी चाहिए कि हम पिछले साल जून तक जिस तरह साथ-साथ जीवन गुज़ार रहे थे, वैसे ही गुज़ार सकेंगे। उसके बाद...?

*शनिवार, 4 सितम्बर*

एना, हेलेन, रूथ, सोफिया और कैथरीन ने मुझे शाला भवन की ओर गाड़ी से आते देखा। आज सफाई करनी थी और वे भी मदद करने आ पहुँचीं। हमने

सारी मेज़ें, कुर्सियाँ, अलमारियाँ धोईं, किताबें अलमारियों से निकालीं, और कमरे को व्यवस्थित किया। दिन भर काम करने के बाद हम कस्बे की दुकान में गए ताकि पर्दों और अलमारियों को ढँकने के लिए कपड़ा खरीद लें।

*बुधवार, 8 सितम्बर*

जब मैं पहुँची तो छोटे बच्चे दरवाज़े के पास खड़े थे। बड़े बच्चे स्कूल के पिछवाड़े थे, पहले दिन वे मिलने में झिझक रहे थे। मैंने उन्हें तुरन्त काम पर लगा दिया ताकि वे ज़रूरत के अनुसार मेज़ों की ऊँचाई कम या ज़्यादा कर दें, और वे तत्काल सहज हो गए।

आइरीन आज खुश और उल्लसित थी और उसने हमें बताया कि उसे हमारा स्कूल पसन्द आ रहा है। चार्ल्स विलिस दिन भर बिसूरता रहा और उसके साथ एक "दुघर्टना" भी घट गई। वह एक तीन वर्ष की आयु के बच्चे की तरह अपरिपक्व है। एरिक तकरीबन पूरे समय रूथ से चिपका रहा, जिससे रूथ को बड़ी परेशानी हुई। एलिज़ाबेथ और फ्लोरेंस ने दूसरे बच्चों से दोस्ती कर ली और वे जल्दी ही सहज हो गईं।

पिछले साल हम अपने कमरे की कुछ असुविधाओं पर काफी बात करते रहे थे। स्कूल बन्द होने से पहले हमने इनकी एक सूची बना ली थी और यह भी तय कर लिया था कि हम उनके बारे में क्या करेंगे। हमारी सबसे बड़ी समस्या थी छोटे बच्चों के लिए खेलने की जगह बनाना, ऐसी जगह जहाँ वे सच में बातचीत कर सकें, चल-फिर सकें। इस साल पाँच मेज़-कुर्सियाँ और बढ़ने से छोटे बच्चों के लिए स्थान की समस्या और गहरा गई है। मेरी एक और बड़ी समस्या थी उन बड़े लड़कों की आवश्यकताओं को पूरा करने के उपाय तलाशना जो अपनी कक्षा के लिए बड़े हैं पर धीमी गति से सीखते हैं। उन्हें शारीरिक गतिविधियों की ज़रूरत है ताकि वे सीखने के प्रति उत्साहित हों और उन गतिविधियों को कर सकें। इन दोनों समस्याओं से निपटने के लिए मैंने बच्चों को यह सुझाव दिया कि हम बाहर खुले में एक खेलघर बनाएँ जिसमें कई बच्चे एक साथ खेल सकें।

एक दूसरी समस्या थी कि हम अपने कठपुतली मंच का कैसे उपयोग करें ताकि वह जितनी जगह घेरता है उसका "किराया वसूल" तो हो सके। हमें अपनी

रसोई और भण्डारघर को अलग करने के लिए पर्दे की दरकार थी। हमें कमरे की खिड़कियों पर पर्दे चाहिए थे ताकि उसमें घर का सा एहसास हो। हमें और चित्र-फलक भी चाहिए थे। सुबह नौ बजे हम अपनी योजनाएँ बनाने को तैयार थे।

वॉल पेपर के नमूनों, किताबों के आलों और प्लाईवुड से चित्र-फलक बनाना – एडवर्ड व रैल्फ।
कठपुतली मंच को लाइनोलियम से मढ़ना – फ्रैंक।
तीन पाट वाले पर्दे का फ्रेम बनाना – वॉरेन व जॉर्ज।
कठपुतली मंच के पैरों को ढँकने के लिए पर्दा, अलमारियों और खिड़कियों के लिए पर्दे सिलना – कैथरीन, सोफिया, मे, डॉरिस, रूथ, हेलेन व मेरी।
खेलघर के लिए सन्तरों की पेटियों से मेज़-कुर्सी बनाना – एलेक्स, गस, एण्ड्रयू, जोसेफ व वॉल्टर।
कुर्सियों के लिए कुशन व कुशनों के गिलाफ बनाना, दरी के लिए चिन्दियों को रँगना – वर्ना, एलिस, मार्था, पर्ल व जॉयस।
दरी बुनने के लिए दो हाथ-करघे बनाना – एल्बर्ट और विलियम।
कपड़ों से चिन्दियाँ फाड़ना – जॉन व रिचर्ड।
पालने के लिए बिस्तर बनाना – फ्लोरेंस, एलिज़ाबेथ, आइरीन।

स्कूल से पहले मैंने मेरी को समझा दिया था कि पालने के लिए बिस्तर कैसे बनाए जाएँगे और उसने छोटी लड़कियों की इस काम में मदद की। बड़े लड़कों को मेरी मदद की ज़रूरत नहीं थी। उन्होंने मुझसे लकड़ी काटने से पहले सिर्फ माप की बात की। रूथ ने छोटी लड़कियों की कुशन बनाने में मदद की। मेरा ज़्यादातर समय सन्तरों के डिब्बों से मेज़-कुर्सियाँ बनाने वाले लड़कों के साथ बीता। हमारी दस बजे तक कार्यशाला चली।

शारीरिक शिक्षा के पीरियड के बाद हम उन गतिविधियों के बारे में बात करने लगे जो हमने गर्मियों की छुट्टियों में की थीं। मेरी ने कुछ चित्र बनाए थे। मार्था और रैल्फ ने कीड़े इकट्ठे किए थे। कैथरीन और सोफिया ने तितलियाँ इकट्ठी की थीं। विलियम के पास कुछ जीवाश्म थे। फ्रैंक ने दो हवाई जहाज़ बनाए और दो घड़ियाँ सुधारी थीं। रैल्फ ने तैराकी के नए गुर सीखे थे। कुछ दूसरे बच्चों ने भी मनपसन्द कामों को शुरू किया था पर वे उन्हें पूरा नहीं कर पाए थे।

मैंने बच्चों को छुट्टियों में मिशिगन के एकल-शिक्षक स्कूल में प्रदर्शन शिक्षिका के बतौर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। मैंने उन्हें वह डायरी दिखाई जो मिशिगन के बच्चों ने लिखी थी, और वे जीवाश्म भी जो मैं साथ लाई थी। हमने उनकी तुलना विलियम के जीवाश्मों से की। नए बच्चों की स्वास्थ्य आवश्यकताएँ इतनी बड़ी हैं कि कुछ समय तक उन पर ही ध्यान केन्द्रित करना होगा। मैं प्रतिदिन सुबह का आखिरी आधा पीरियड इसी पर लगाऊँगी। पिछले साल दोपहर के खेल घण्टे के बाद काफी परेशानियाँ होती रही थीं। इस साल शायद शुरू के पन्द्रह मिनट विश्राम का पीरियड दोपहर बाद के काम के लिए उनके मिज़ाज को ठण्डा रखने में मदद दे। स्वास्थ्य के पीरियड में हमने विश्राम के मसले पर बात की।

आज विश्राम का पीरियड सफल रहा। कई बच्चों ने, जो डेस्क पर सिर टिका सुस्ताना नहीं चाहते थे, आसान किताबें पढ़ीं। हम इतने शान्त हो गए कि संगीत के पीरियड में उबासी लेते रहे। आज हमने अपने पुराने पसन्दीदा गीत गाए।

मैंने छोटे बच्चों को जोड़ने और घटाने के संयोजनों की समीक्षा के काम पर लगाया और उस दौरान बड़े बच्चों ने सुबह शुरू किया काम जारी रखा। प्रत्येक बच्चे के पास जोड़-घटा के संयोजनों के कार्डों की गड्डी है, और हरेक संयोजन को पूरा करने के बाद वह रिकॉर्ड शीट में निशान लगाता जाता है।

देर दोपहर बड़े बच्चों ने अपनी गणित की किताबों की समीक्षा की। और यों एक व्यस्त और रोचक दिन समाप्त हुआ।

*गुरुवार, 9 सितम्बर*

इतने दिनों बाद स्कूल आने के कारण बच्चे कल इतने खुश थे और अपने काम में इतनी रुचि ले रहे थे कि झगड़े-फसाद से बचे रहे। लग यह रहा था मानो गर्मियों का अवकाश हुआ ही न हो और हम बिछुड़े ही न हों। पर आज छुट्टियों के उनके अनुभव हमारे बीच धकियाकर घुस आए।

हमारे पास गेंदें नहीं हैं। हमारी अच्छी वाली गेंद बसन्त में कस्बाई खेल वाले दिन खो गई थी। हमारे पास बेसबॉल वाली नर्म गेंद ज़रूर है पर उसका बल्ला नहीं है। खेल उपकरण न होने के कारण लड़के दोपहर के समय बिना कुछ किए इधर-उधर खड़े थे। मैंने सुझाया कि हम सब मिलकर जंगल के पास वाले स्थान

को अपने लिए खेलघर बनाने के लिए साफ कर दें। सिर्फ जॉर्ज ने टिप्पणी की, "यह तो बिल्कुल काम जैसा लगता है।" वे भवन के पिछवाड़े चले गए और वहाँ छोटे बच्चों को छेड़ने लगे। एल्बर्ट, जो अब बड़े समूह में आने के कारण खुद को बड़ा लड़का मानने लगा है, उनकी धींगामस्ती का मज़ा ले उसे प्रोत्साहित कर रहा था। पर इसी खींचतान में उसे चोट लग गई। मैंने बड़े लड़कों को बुलाया और उनसे बातचीत की। मैंने कहा कि अगर वे खेलघर बनाने में मदद करते तो शायद उन्हें दोपहर का अधिक मज़ा आता। इस पर रैल्फ बोला, "हम खेलघर बनाने में मदद क्यों करें? हम उसका इस्तेमाल थोड़े ही करेंगे।" मैं यह समझाने लगी कि हम कई काम प्रत्यक्ष फायदे के लिए नहीं बल्कि सामान्य हित के लिए करते हैं, जिनसे हमें सिर्फ दूसरों की मदद करने का सन्तोष ही मिलता है। बच्चों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की और वे चतुर टिप्पणियों की होड़-सी करने लगे। हमें अपनी बातचीत बिना कुछ हासिल किए बन्द करनी पड़ी, और मुझे लगता है इसका नुकसान ही हुआ। अब पलटकर देखने पर अपनी गलती साफ नज़र आती है। मुझे रैल्फ और फ्रैंक से, जो उस गुट के नेता थे, अलग से बात करनी चाहिए थी, उस समय नहीं जब उनके समर्थक श्रोता साथ थे। बेहतर तो शायद यही होता कि मैं भाषणबाज़ी करती ही नहीं। अब तो एक ही उपाय है कि गेंद जल्द से जल्द सुधरवा ली जाए, बल्ला लाया जाए और कई नए खेल सिखाए जाएँ। मैं छोटे लड़कों को खेलघर बनाने के काम में लगाऊँगी और जब बड़े लड़कों की रुचि उसमें स्वतः ही जगेगी, जो कि अन्ततः होगा ही, तो हम उन्हें भी शामिल कर लेंगे। मुझे दरअसल पहले ही यह करना चाहिए था। शिक्षकों का सौभाग्य है कि बच्चे आसानी से भूल जाते हैं।

शारीरिक शिक्षा के पीरियड में सभी लड़कों ने खेलने से इन्कार कर दिया। फ्रैंक बोला, "यह तो काम करने जैसा है, जो मैं घर पर काफी कर लेता हूँ।" वह इस बात से नाराज़ था कि उसे रैल्फ की टोली में नहीं रखा गया था। उसने कहा कि पिछले साल भी ठीक यही हुआ था और अगर इस साल भी वह रैल्फ की टोली में शामिल नहीं होता तो वह खेलेगा ही नहीं। मैंने रैल्फ से कुछ देर बात की, क्योंकि उसका मिज़ाज कुछ बेहतर हो गया था, और मैंने उसे खेल शुरू करने पर मना लिया। इस दौरान फ्रैंक से बात की। मैंने कहा, "फ्रैंक, तुम्हारे विवेक को क्या हो गया है? पिछले साल तुमने खेल मैदान की समस्याओं को

सुलझाने में हमारी मदद की थी। मुझे यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि दो सबसे बड़े लड़के अगर एक ही टोली में होंगे तो उसमें क्या गड़बड़ है।" मैंने उसे खेलने के लिए कहा, पर वह माना नहीं, सो मैं उसे सीढ़ियों पर बैठा छोड़ आई जहाँ से वह हमें खेलते देखता रहा।

स्वास्थ्य के पाठ के दौरान मैंने खेल मैदान में होने वाले सतत् फसाद की बात उठाई। हमने मानसिक दृष्टिकोण और सामान्य स्वास्थ्य के पारस्परिक रिश्ते पर चर्चा की। हमने निठल्ले बैठे रहने के दुष्प्रभावों पर बात की। यद्यपि बच्चों ने बात ध्यान से सुनी और चर्चा में भागीदारी भी की, पर इसी पाठ का विपरीत असर दोपहर के खेल पीरियड में नज़र आया। वे लगातार यही कहते रहे कि अगर निठल्ले रहेंगे तो परेशानी में पड़ सकते हैं। वे इसी बात को जाँचते रहे – यह जानने के लिए कि कितनी परेशानी में वे फँस सकते हैं।

*शुक्रवार, 10 सितम्बर*

आज का दिन कल से बेहतर था। सुबह के समय काम के पीरियड हमेशा अच्छे गुज़रते हैं। बच्चे जो करते हैं वह उन्हें अच्छा लगता है।

दोपहर के वक्त सारे छोटे लड़के खेलघर के लिए जगह साफ करने लगे। बड़े लड़के अधिकतर समय उन्हें देखते रहे। मुझे लगता है कि अगर कल मैंने इस मुद्दे को रेखांकित न किया होता तो वे आज ज़रूर मदद करते। स्कूल के बाद, हमेशा की तरह, मैं शौचालय का निरीक्षण करने गई और यह देख सन्न रह गई कि लड़कों के शौचालय में अश्लील बातें लिखी हुई थीं। मैं यह पहचान नहीं सकी कि लिखाई किसकी थी।

*सोमवार, 13 सितम्बर*

आज सुबह जैसे ही लड़के स्कूल आए तो मैंने उनसे बात की। पर जैसा मुझे लग ही रहा था, लिखाई के बारे में किसी को भी पता नहीं था। यों एक-एक कर नाम सूची से बाहर करते हुए मैं इस निष्कर्ष पर पहुँची कि यह काम चारों बड़े लड़कों ने मिलकर या उनमें से किसी एक ने किया होगा। जब बच्चे बाहर खेल रहे थे मैंने उनसे बात की। मैंने कहा कि हमारी नई पुती दीवार को यों खराब करना अच्छी बात नहीं है। मैंने इस मौके का उपयोग यौन शिक्षा के लिए भी किया। लड़कों ने बात ध्यान से सुनी। मैंने उन्हें दीवार की लिखावट पर फिर

से रंग पोतने भेज दिया।

आज बरसात हुई, सो हम बाहर जाकर खेल नहीं सके। मैंने इस बारे में कई सुझाव दिए कि हम क्या-क्या कर सकते थे और तब छोटे समूह के साथ जीवाश्मों को देखने बैठ गई। वे एक लेंस और तिपाई पर रखे सूक्ष्मदर्शी से उनका निरीक्षण कर रहे थे। हम काम में तल्लीन थे और कुछ ही देर में रैल्फ, फ्रैंक, एडवर्ड और जॉर्ज की रुचि भी जग गई। रैल्फ ने कुछ बड़े पत्थर फोड़े और हमने उनके अन्दर नन्ही सीपियाँ जड़ी पाईं। हमारे बीस मिनट बड़े अच्छे गुज़रे।

पर दोपहर का घण्टा उतना आनन्ददायक नहीं रहा। छोटे बच्चे ढूँढ-ढाँढकर अपने शान्तिपूर्ण खेल खेलते और बड़े लड़के टाँग अड़ा उन्हें भंग कर देते। एल्बर्ट हाथ वाले लेंस से जीवाश्म देख रहा था। रैल्फ आया और उससे लेंस छीनने लगा। पर एल्बर्ट लेंस देना नहीं चाहता था। इस छीना-झपटी में लेंस का फ्रेम टूट गया। मैंने रैल्फ से कहा कि उसे नया लेंस लाना होगा (जो 10 सेंट का आता है)। क्योंकि स्थिति काबू में नहीं आ रही थी इसलिए मैंने बच्चों से कहा कि वे अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठ जाएँ और चुपचाप विश्राम करें। जॉर्ज और एडवर्ड को यह बात नागवार गुज़री और उन्होंने शेष दोपहर काम करने से इन्कार कर दिया। वे मुँह सुजाए अपनी कुर्सियों पर बैठे रहे। मुझे इस स्थिति के लिए कुछ सकारात्मक करना चाहिए, यह मैं समझती हूँ, पर क्या?

और जोसेफ! वह बड़े बच्चों के आगे-पीछे डोलता है। उनकी नकल करता है। गला फाड़कर चिल्लाता है और पैर पटकता है। वह इतना बड़ा हो गया है कि किसी सार्वजनिक शाला के लिए उसकी देखभाल करना कठिन हो चला है।

चार्ल्स के पिता मुझसे सहमत हैं कि चार्ल्स को एक साल और स्कूल नहीं आने देना चाहिए क्योंकि वह ख़ुद अपने कपड़े तक नहीं पहन सकता। मैंने श्री विलिस को एक सूची दी है जिसमें वे बातें हैं जो उन्हें अगले साल से पहले चार्ल्स को सिखा देनी चाहिए।

सुबह के खेल के पीरियड के अलावा एक और बात अच्छी रही। दो गीत गाने के बाद हमने संगीत का पीरियड छोटा कर दिया ताकि बच्चे अपनी कहानियाँ सुना सकें। सबसे बढ़िया और सुखप्रद कहानी कैथरीन ने सुनाई। यह एक नन्हे

खरगोश की कहानी थी जो अपनी माँ की बात नहीं मानता था। समूह के हरेक बच्चे को यह कहानी बेहद मज़ेदार लगी। उन्होंने कुछ पढ़कर सुनाने का आग्रह किया। मैंने कैथरीन की कहानी जैसी ही ईसॉप की एक कथा उन्हें सुनाई।

*मंगलवार, 14 सितम्बर*

कल रात मैंने अपनी समस्या पर सावधानी से सोच-विचार किया। यह सच है कि बच्चों को परेशानी हो रही है, पर मुझे भी हो रही है। मैं सच में उनकी ज़रूरतें पूरी करना चाहती हूँ पर इसके लिए इतना संघर्ष करना पड़ रहा है कि लगता है कि स्कूल खुलने के बाद से मैंने सही की बजाय गलत काम ही अधिक किए हैं। यह काम मेरी कल्पनाशक्ति और धैर्य दोनों से भारी कीमत माँगता है। तानाशाही से चलने वाली शाला में इस तरह की समस्या का हल कितना आसान रहता है। पर मैं एक लोकतांत्रिक शाला के उद्देश्यों को तिलांजलि नहीं देना चाहती, और ये उद्देश्य ज़ोर-ज़बरदस्ती से हासिल नहीं किए जा सकते।

मुझे बच्चों को ऐसे काम सौंपने चाहिए जो ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हों। अगर मैं उन्हें व्यस्त रख सकूँ और उनकी जिज्ञासा और रुचि को बाँध सकूँ तो शायद उनकी ऊर्जा को सही दिशा में मोड़ सकूँगी। मैंने दोनों गेंदों में चिप्पियाँ लगवा ली हैं और शाला कोष से एक बल्ला भी खरीद लिया है। रूथ बेसबॉल की गेंद को घर ले गई है ताकि उसमें नए फीते डाल सके।

सामाजिक अध्ययन के पीरियड का उपयोग कमरे के रंग-रूप को सुधारने और उसे कारगर बनाने में लगाना सही रहा है। इसके साथ मैंने अपनी मिशिगन यात्रा में बच्चों की रुचि का ठोस उपयोग करते हुए उन्हें कुछ ज़्यादा निश्चित काम देने का फैसला किया। आज सुबह मैंने ब्लैकबोर्ड पर उन रोचक वस्तुओं की सूची बनाई जो मैंने मिशिगन में देखी थीं: जीवाश्म, पवन चक्कियाँ, गोल छतों वाले खलिहान और उन पर लगे बिजली के सरिए, गेहूँ और मक्के के खेत, चौकोर खेत और सीधी सड़कें, भेड़ें व सुअर, तेल के कुएँ, सपाट ज़मीन, कम पेड़, और ढेर सारी झीलें। हमने इन सब के अर्थ पर बात की। हमने अपनी भूगोल की किताबों में एक नक्शा ढूँढा और वह रास्ता देखा जिस पर मैं गई थी। रूथ ने पढ़ा कि मैं मक्का-पट्टी (Corn Belt) के कुछ इलाके से गुज़री थी। उसने समझाया कि संयुक्त राज्य अमरीका के शेष राज्यों की तुलना में यहाँ मक्के की पैदावार अधिक होती है। बच्चों ने नक्शे का अध्ययन कर यह भी

पाया कि गेहूँ भी यहाँ अमरीका के दूसरे हिस्सों से अधिक पैदा होता है। चेरी का फल भी यहाँ अधिक उगता है, गाड़ियों का उत्पादन भी यहाँ ज़्यादा होता है, और जितनी आटा चक्कियाँ यहाँ हैं उतनी दुनिया के किसी और इलाके में नहीं हैं। मैंने बच्चों से कहा कि वे इस इलाके को अपनी उँगलियों से घेर लें और चर्चा के वास्ते हमने इस इलाके को "उत्तर मध्य राज्य" का नाम दिया। मैंने बच्चों से कहा कि वे पढ़कर यह जानने की कोशिश करें कि यह क्षेत्र इतने अलग-अलग तरहों से महत्वपूर्ण क्यों है।

जब मैं दूसरे बच्चों के साथ काम कर रही थी तो छोटी लड़कियों ने वर्ना के निर्देशन में कुशनों के गिलाफ सिए और कुछ दरियाँ बुनीं, जबकि छोटे लड़कों ने गस के नेतृत्व में नारंगी के डिब्बों से बनाई गई मेज़-कुर्सियों को रँगा। काम छोड़ कुछ देर वे खेलघर की योजना बनाने लगे। उन्होंने सोचा कि इसकी लम्बाई और चौड़ाई 7 फुट होगी और ऊँचाई 6 फुट। वे उसकी छत ढलुवाँ बनाना चाहते हैं। पहले उन्होंने तय किया था कि वे चारों तरफ खिड़कियाँ बना लें, पर एण्ड्रयू ने कहा कि ऐसा करने से ज़रूरत से ज़्यादा हवा अन्दर आएगी। उसने सुझाया कि उत्तरी और पूर्वी दिशाओं की दीवारें पूरी तरह बन्द कर दें, जैसा उसके पिता ने उनके मुर्गी खाने में किया था। हमने उसका एक चालू नक्शा बनाया और बाहर आ गए ताकि खेलघर की जगह के लिए लकड़ी की खूँटियों और सुतली से निशान बना लें।

*बुधवार, 15 सितम्बर*

बड़े बच्चों ने कल की चर्चा के बाद कुछ समस्याएँ उठाईं:

1. मिशिगन तक जीवाश्म कैसे पहुँचे?
2. उस क्षेत्र की मिट्टी इतनी उपजाऊ क्यों है?
3. वे इतनी मक्की और गेहूँ कैसे उगा पाते हैं?
4. ये शहर इतने बड़े कैसे बन गए?

पहली समस्या को हल करने के लिए उन्होंने भूगोल की अपनी पुस्तकों को पढ़ना शुरू किया। मैंने सूचियों का उपयोग करने में उनकी मदद की।

*गुरुवार, 16 सितम्बर*

एल्बर्ट, पर्ल और मार्था इस साल बड़े बच्चों के साथ काम कर रहे हैं। उन्हें नक्शों का उपयोग करने में कठिनाई हो रही थी। जब बड़े बच्चे पहली समस्या पर काम कर रहे थे, मैंने नक्शों के अध्ययन में उनकी मदद की। मैंने उन्हें अमरीका का नक्शा दिया जिसमें वे उत्तरी मध्य राज्यों की बाहरी रेखाएँ बना उनके नाम लिख रहे हैं। प्राथमिक बच्चों ने कल का काम जारी रखा।

आज डॉक्टर साहब को बच्चों की जाँच करने आना था। हमने स्वास्थ्य के पीरियड में उनके लिए तैयारी की। मैंने बच्चों को वह कहानी पढ़कर सुनाई जिसमें एडमिरल बायर्ड एंटार्कटिका की यात्रा के लिए अपने साथियों को चुनते हैं। हमने नियमित शारीरिक जाँच के महत्व की बात की और यह भी कि अगर किसी शारीरिक विकार का समय रहते पता चल जाता है तो उसका फायदा होता है क्योंकि हम उसका उपचार करवा सकते हैं। हमारी चर्चा खत्म हुई ही थी कि नर्स और डॉक्टर उपयुक्त समय पर आ पहुँचे। डॉक्टर ने जाँच की और नर्स ने सारी सूचनाएँ स्वास्थ्य कार्ड पर लिख डालीं। बीच-बीच में मैंने भी अपने अवलोकन बताए और डॉक्टर ने उनकी पुष्टि के लिए अधिक सावधानी से जाँच की। मैं बच्चों के अभिभावकों के साथ मिलकर इन शारीरिक विकारों को जल्दी से जल्दी ठीक करवाने की कोशिश करूँगी।

आज बच्चों ने अपनी नई प्रगति पुस्तकें बनाना प्रारम्भ किया। वे उन्हें खूबसूरत बनाना चाहते थे, सो हमने कला पाठ आयोजित कर किनारों के बेल-बूटे बनाने का अभ्यास किया।

हमारी सिलाई मशीन खराब है, इसलिए स्कूल के बाद लड़कियाँ पड़ोस के घर में बचे हुए पर्दे सीने गईं। एण्ड्रयू, गस, एलेक्स और मैं लकड़ी का आर्डर देने और कुछ सलाह लेने लकड़ी की दुकान पर गए। श्री ओक्स ने हिसाब जोड़ने वाली मशीन पर बिल बनाया जिसे देख लड़कों की रुचि जगी। लौटते समय एण्ड्रयू ने कहा, "सत्ताईस डॉलर बहुत होते हैं। इतना पैसा इकट्ठा करने के लिए हमें शायद दो नाटक करने होंगे।" निकलने से पहले मैं काम शुरू करने में लड़कियों की मदद कर रही थी। मैंने देखा कि लड़कों ने बाकायदा हाथ-मुँह धोए, बाल सँवारे और अपने जूते चमकाए।

आज सुबह फ्रैंक एक भारी पत्थर दो मील तक उठाकर स्कूल लाया। वह पत्थर जीवाश्मों से भरा था। बच्चों ने काफी समय तक उसे हाथ के लेंस व सूक्ष्मदर्शी से देखा और साफ दिखाई देने वाली कई आकृतियाँ एक-दूसरे को दिखाईं।

हमारे संग्रहालय में कछुए के कुछ अण्डे भी रखे हैं। आज उनमें से चार अण्डों में से कछुए निकले और बच्चे उन्हें देख रहे थे। वे भौचक देखते रहे। जॉर्ज दो गिलहरियाँ लाया है। हम उनका भी अवलोकन कर रहे हैं।

*सोमवार, 20 सितम्बर*

आज सुबह हम घूमने गए ताकि यह देख सकें कि बीजों का प्रसार कैसे होता है। हमने विभिन्न प्रकार के कई बीजों की पहचान की और अलग-अलग तरह से फैलने वाले बीजों के नमूने अपने संग्रहालय के लिए लेते आए।

स्वास्थ्य के पीरियड में हमने इस विषय पर बात की कि घूमना आनन्ददायक कैसे बन जाता है। हमने गति, ताल, पैरों की स्थिति, वज़न, शरीर की भंगिमा, आरामदेह जूतों और अन्ततः आसपास जो कुछ दिखाई दे उसके गुण पहचानने और उसका मज़ा लेने की क्षमता पर बात की। भ्रमण के समय रूथ के पैर दुखने लगे थे, सो हमने उसके पैर की बाहरी रेखा खींची और पाया कि दरअसल उसके जूते उसके पाँव के लिए छोटे हैं। आज रात सभी बच्चे यह जाँच खुद करेंगे।

आज दोपहर लड़कों ने तय किया कि वे जंगल में लट्ठों का एक केबिन बनाना चाहेंगे। मैंने इसका खुलकर स्वागत किया, क्योंकि यह इस साल की उनकी पहली आकर्षक योजना थी। छोटे बच्चों ने गेंद लपकने का खेल खेला। दोपहर का सुखद घण्टा आज जल्द ही बीत गया।

*गुरुवार, 23 सितम्बर*

स्कूल के बाद वानिकी क्लब की बैठक हुई जिसमें हमने गर्मियों में एकत्रित नमूने मढ़ने का काम किया। मुझे आश्चर्य हुआ कि बड़े लड़के स्कूल के बाद रुककर केबिन बनाने का इरादा त्याग वानिकी क्लब की बैठक में आ गए। रैल्फ के पास अपने नमूने नहीं थे, सो उसने सोमवार को इकट्ठा किए गए बीजों को सजाने और मढ़ने में मदद की। रूथ, कैथरीन, सोफिया और वर्ना कीड़ों की पहचान कर रही थीं। एल्बर्ट ने कीट कोशों के लिए पिंजरा बनाना शुरू किया। रूथ ने चिड़ियों के पंख मढ़ने के लिए चार्ट बनाया। वॉरेन ने छोटे-छोटे चौकोर फट्टे काटे जिन पर वह चिड़ियों के घोंसले मढ़ेगा।

*शुक्रवार, 24 सितम्बर*

आज सुबह विज्ञान के पाठ में हमने यह चर्चा की कि जब कोई बीज मिट्टी में गिरता है तो क्या होता है, पौधा बीज कैसे बनाता है, और फूल का क्या उद्देश्य होता है। हमने परागण और प्रकाश संश्लेषण पर बातचीत की। मेरी और हेलेन वृक्षों के जीवन-चक्र का एक चार्ट बनाएँगी।

लड़के शारीरिक शिक्षा के पीरियड में अपना केबिन बनाना चाहते हैं, सो उन्होंने मुझसे अनुमति माँगी। मैंने कहा कि यह निर्णय लड़कियाँ लेंगी क्योंकि खेल तो उनका ही बिगड़ेगा। लड़कियों का कहना था कि वे न्याय करना चाहती हैं, पर उनको लगा कि लड़कों को भी तो सामूहिक खेल की दरकार है। आखिरकार इसका समाधान इस तरह से निकला। लड़के सुबह शारीरिक शिक्षा के पीरियड में अपना केबिन बनाने का काम करेंगे, जब तक काम सही तरह शुरू नहीं हो जाता। इस बीच लड़कियाँ छोटे बच्चों के साथ खेलेंगी। पर दोपहर को हम लोग पहले की ही तरह साथ-साथ खेलेंगे। इन लड़के-लड़कियों को समस्या पर यों शान्तिपूर्वक विचार कर विवेकपूर्ण समाधान, जो सबको सन्तोषजनक लगे, तलाशते देखना मुझे बेहद अच्छा लगा। हमें इस साल फिर से शुरुआत करनी पड़ी है, पर बिलकुल सिरे से नहीं!

*शनिवार, 25 सितम्बर*

लड़के और कुछ लड़कियाँ स्कूल आए ताकि खेलघर पर काम कर सकें। काम बड़ा है और हमें नींव बनाने में ही काफी समय लग गया। पूरी सुबह और आधी दोपहर नींव को समतल करने और उसे सीध में लाने में गुज़र गई। हमने चारों कोनों पर दोहरे खम्भे गाड़े, ऊपरी फट्टे लगाए और बीच का सहारा देने वाला खम्भा लगाया। हमने खम्भों को सहारें लगाईं। बच्चों ने घर बनाने के सूक्ष्म चरणों के बारे में सीखा और तलमापी का इस्तेमाल सीखा। एण्ड्रयू का कहना था कि उसे पता ही नहीं था कि एक बढ़ई को इतनी मेहनत करनी पड़ती है।

*बुधवार, 29 सितम्बर*

सामाजिक अध्ययन के पीरियड में प्राथमिक वर्ग के बड़े लड़के आजकल खेलघर के एक तरफ लकड़ी के तख्ते ठोक रहे हैं, जबकि छोटे लड़के सन्तरों की पेटियों से फर्नीचर बना रहे हैं। छोटी लड़कियाँ खेलघर के लिए लीरियों की दरियाँ बुन रही हैं, पालने का बिछौना बना रही हैं, अलमारियों के लिए पर्दे और

कुर्सियों के लिए कुशन और गिलाफ तैयार कर रही हैं। मैं उनके साथ तकरीबन आधा घण्टा बिताती हूँ ताकि क्या-क्या करना है यह उन्हें स्पष्ट हो जाए और तब मैं बड़े बच्चों के साथ काम करती हूँ। जब मैं उनके साथ नहीं होती तो अमूमन वर्ना छोटे बच्चों की ज़िम्मेदारी ले लेती है। प्राथमिक वर्ग के बड़े लड़के छोटे लड़कों की मदद करते हैं।

इस बीच बड़े बच्चे जानकारियाँ इकट्ठा करते हैं, जिस पर हम बाद में चर्चा करते हैं। फिलहाल हम अपनी तीसरी समस्या पर काम कर रहे हैं। वह यह कि उत्तर-मध्य के राज्यों में मक्की व गेहूँ की इतनी फसल कैसे होती है। बच्चों की विशेष रुचि उन मशीनों में है जिनसे गेहूँ की फसल काटी जाती है।

आज हमने स्वास्थ्य के पाठ में शरीर की भंगिमा पर बात की। हमने बैठने, खड़े होने और चलने के सही तौर-तरीकों और काम करते हुए आरामदेह भंगिमाओं पर बातचीत की। हमने भंगिमाओं का अभ्यास किया और एक-दूसरे को सुझाव दिए। सामेटिस बच्चों की भंगिमाएँ गलत हैं। कैथरीन ने बच्चों से कहा कि अगर वे उसे उकड़ूँ या झुककर बैठे हुए देखें तो उसे टोककर याद दिलाएँ।

स्कूल के बाद लड़कियों ने सिलाई क्लब को फिर से व्यवस्थित किया; सिर्फ पाँच ही लड़कियाँ मौजूद थीं। अधिकांश लड़कियों को सीना पसन्द नहीं आता। उन्होंने अपने पदाधिकारी चुने और गुरुवार को अपनी बैठक का दिन चुना और कुछ आगामी सत्रों की योजना बनाई।

*शुक्रवार, 1 अक्तूबर*

स्कूल के बाद वानिकी क्लब की बैठक थी। केवल रैल्फ, वॉरेन, सोफिया, कैथरीन और रूथ ही रुके। इस साल हमारे क्लबों में सदस्यता बेहद कम है। बच्चों को लगता है कि क्लब एक फालतू का काम है। फिर भी उन्हें इस तरह की गतिविधियों की बेहद ज़रूरत है। जो बच्चे बैठक के लिए रुके उन्हें बड़ा मज़ा आया क्योंकि वे सच में वहाँ होना चाहते थे। रैल्फ टहनियों के नमूनों का संकलन तैयार कर रहा है।

*शनिवार, 2 अक्तूबर*

आज मेरे पिता को हमारी मदद करनी पड़ी। उन्होंने खेलघर के कोनों वाले लट्ठों को लगाया और चारों बड़े लड़कों को बताया कि बीच वाले शहतीर को

कैसे लगाया जाएगा। सभी लड़कों के लिए काम नहीं था, सो बाकी बच्चों ने खेल मैदान की सफाई की और सूखे झाड़-झंखाड़ और कचरे को जलाया। बड़े लड़कों को मेरे पिता के साथ काम करना पसन्द है और वे खेलघर का काम खुशी-खुशी करते हैं। कल मैंने उन्हें समझाया था कि छोटे बच्चों से छत नहीं बन सकेगी और उन्हें बड़े लड़कों की मदद चाहिए होगी। उनका जवाब था, "बेशक, हम कर देंगे।"

*मंगलवार, 5 अक्तूबर*

फ्रैंक मन खुश कर देने वाली मुस्कान लेकर आया और उसने जानना चाहा कि क्या वह खेलघर में मदद कर सकता है। चारों बड़े लड़कों ने तुरन्त नाप-जोख लिया और तख्तों को चीरना शुरू किया ताकि छत बनाई जा सके।

नन्हे बच्चों ने अब तक खेलघर बनाने के अपने अनुभवों को दर्ज करने सम्बन्धी किताब के बारे में कुछ भी नहीं कहा है। आज मैंने खुद ही यह बात छेड़ी और केवल एल्बर्ट ने कहा कि उसे लगता है कि वह लिखना नहीं चाहेगा। जब बच्चों ने किताबों की जिल्द के लिए रंग-बिरंगे कागज़ चुनना शुरू किया तो उसका मन बदल गया। पाँच-सात साल वाले बच्चों ने चित्र बनाए और उनमें यह दर्शाया कि हमने खेलघर का स्थान कैसे साफ किया। जॉयस ने अपने चित्र के नीचे लिखा, "हम एक घर बनाएँगे।" बाकी बच्चों ने खेलघर बनाने की योजना की बात पर अपनी-अपनी मौलिक कहानियाँ लिखीं।

*बुधवार, 6 अक्तूबर*

लड़के सुबह-सबेरे, पूरी तरह चटक हो खेलघर में मदद करने आ पहुँचे। वे अपने लट्ठे के केबिन की बात बिलकुल भूल चुके हैं और छोटे बच्चों के लिए खेलघर बनाने में अपनी समूची ऊर्जा झोंक रहे हैं।

इस साल बच्चे कठपुतली प्रदर्शन के लिए रॉबिनहुड का नाटक तैयार करना चाहते हैं। कल मैंने यह कहानी उन्हें पढ़कर सुनाई। वे मेरे आसपास घिर आए और अच्छा समय बिताया। रैल्फ मेरी कोहनी के पास रखी कुर्सी पर जम जाता है। उसे यह कहानी बेहद पसन्द है।

जब छोटे बच्चे आधे घण्टे के लिए सुस्ता रहे थे तो मैंने अंकल रीमस की कहानी पढ़कर सुनाई। उन्होंने एक कविता भी सीखी, "आओ, मेरे पीछे-पीछे आओ।"

कुछ समय बचा जिसमें रैल्फ, मार्था और एलिस ने अपनी मौलिक कहानियाँ सुनाईं। एल्बर्ट की कहानी तो मानो कविता ही थी। बच्चों की सर्वश्रेष्ठ मौलिक कहानियाँ स्कूल की अखबार के लिए लिख ली जाएँगी।

*बुधवार, 13 अक्तूबर*

आज हमने कला का पीरियड रखा जिसमें बच्चों ने चारकोल से पेड़ों के स्केच बनाए। पर्ल और हिल लड़के चित्र बनाने के लिए चारकोल का इस्तेमाल बखूबी समझ गए हैं।

बच्चों ने ऑयलक्लॉथ पर दुनिया का नक्शा उतार लिया है। वह नौ फुट चौड़ा है। उन्होंने आज उसे कीलों के सहारे एक लकड़ी के तख्ते पर ठोका और दीवार पर टाँग दिया।

बच्चे तमाम नए खेल सीख रहे हैं और शारीरिक शिक्षा का पीरियड खुशी-खुशी गुज़रता है।

*गुरुवार, 14 अक्तूबर*

बच्चों को लग रहा है कि कमरे के लिए वे जो चीज़ें बना रहे हैं उसमें बहुत समय लग रहा है। उन्होंने इन चीज़ों को तैयार करने और अपनी कॉपियाँ व्यवस्थित करने के लिए एक पूरा दिन माँगा है। हरेक ने उन कामों की सूची बनाई जो उसे करने थे। कुछ सामाजिक अध्ययन पर काम कर रहे थे। कुछ पठन का बचा हुआ काम सलटाने में जुटे हुए थे। कुछ लड़कियाँ पर्दे सी रही थीं। दो लड़के रसोई की अलमारी की टाँडों पर मोमजामा लगा रहे थे। जॉर्ज तेल के स्टोव को रंग रहा था। एलेक्स, गस और एण्ड्रयू खेलघर की बगल बनाने के काम में जुटे थे। कैथरीन और सोफिया अपने चित्रों को हॉल के स्क्रीन के लिए ऐसी मलमल पर चिपका रही थीं जिसे ब्लीच नहीं किया गया था। और मैंने लगभग पूरा दिन छोटे बच्चों के साथ पठन, वर्तनी और गणित में उनकी मदद करते बिताया।

स्कूल के बाद बच्चे वानिकी क्लब के लिए रुके और यों पुराने दिनों की यादें ताज़ा हो आईं। बच्चे अब भी गर्मियों में एकत्रित अपने नमूने मढ़ रहे हैं।

*शुक्रवार, 15 अक्तूबर*

कल का कार्यक्रम इतना सफल रहा कि हमने वही तरीका आज भी अपनाया,

क्योंकि अब भी बहुत से काम पूरी तरह समेटे नहीं जा सके थे। लकड़ी कम्पनी के मालिक श्री ओक्स इस दिशा से जा रहे थे, सो वे खेलघर की प्रगति देखने रुक गए । वे हमारे कक्ष में दसेक मिनट चुपचाप अवलोकन करते रहे, तब जाकर हमें पता चला कि वे आए हैं। उन्होंने जो कुछ देखा वह उन्हें इतना भाया कि हमारे काम में बाधा डालना उन्हें उचित नहीं लगा। वे मुस्कुराए और बोले, "बढ़िया अनुशासन है!" इस टिप्पणी ने मुझे खुश कर दिया। लगा पिछले बसन्त की हमारी भावना लौट आई है। यह भावना क्रमशः फैल भी रही है क्योंकि आज शाम सिलाई क्लब में हाई स्कूल की तीन लड़कियाँ आ जुड़ीं। हमने फ्रॉकों के कपड़े के नमूने मँगवाने के लिए सीयर्स व रीबक कम्पनियों की सूचियों को ध्यान से देखा। लड़कियाँ अपने सिलाई के डिब्बों की सामग्रियाँ इकट्ठा करने लगी हैं।

*शनिवार, 16 अक्तूबर*

आज सुबह मैं कुछ लड़कियों को वेस्टन ले गई ताकि वे अपनी फ्रॉकों के नमूने चुन सकें। एक बार फिर मुझे बच्चों के अनुभवों की सीमा का एहसास हुआ। उन्होंने आज से पहले स्वचालित सीढ़ियाँ या घूमने वाले दरवाज़े नहीं देखे थे। वे सब कुछ देखने के लिए बार-बार रुकतीं और ढेरों सवाल पूछती गईं। जो महिला हमें नमूने दिखा रही थी वह बच्चों को समझती भी होगी, क्योंकि उसने बड़े धीरज से हमारी मदद की।

*सोमवार, 18 अक्तूबर*

फ्रैंक जैसे ही स्कूल पहुँचा उसने तुरन्त जानना चाहा कि वह क्या कर सकता है। वह अगले दो सप्ताह के लिए स्कूल का जनरल मैनेजर है, सो मैंने उसे वह सब दिखाया जिस पर उसे नज़र रखनी होगी।

हमारी दोपहर पर्दे टाँगने और कमरे को व्यवस्थित करने में बीती। लड़कियाँ हॉल के नए स्क्रीन-पर्दे को पूरा करना चाहती थीं, सो वे शाम को रुकीं और उन्होंने मलमल पर क्रेयॉन से चित्र बनाए और उन्हें स्क्रीन के खाँचे पर लगाया। हम साढ़े छह बजे तक स्कूल में थे। मैं समझदार और सहृदय माताओं के लिए ईश्वर का आभार मानती हूँ! मेरे पिता ने आज छत बनाने में लड़कों की मदद की। काम इतना कठिन है कि वे अकेले उसे नहीं कर सकते। फ्रैंक ने उन्हें

चुपचाप एक सेब दिया, ठीक उसी तरह जैसे वह मुझे भी आजकल कभी-कभार दिया करता है। मेरे पिता के साथ काम करने पर रैल्फ इतना ख़ुश हुआ कि उसने बाद में रुककर कैथरीन, सोफिया और रूथ की फ्रेम में मलमल के पर्दे ठोकने में मदद की।

*मंगलवार, 19 अक्तूबर*

आज सुबह जब लड़कियाँ आईं तो वे आलोचनात्मक नज़र से कमरे को देख यह जाँचने लगीं कि सब कुछ ठीक-ठाक है या नहीं। कमरा बड़ा आरामदेह लग रहा है। अलाव के पास हमारा कठपुतली मंच है जिसका उपयोग फिलहाल काम करने की मेज़ के रूप में किया जा रहा है। उस पर भूरा लाइनोलियम लगा है। उसके पैर भूरे, सन्तरी व क्रीम रंग के छापे वाली झालर से ढके हैं। इस मेज़ के नीचे हम वह भारी सामग्री रख देते हैं जिस पर काम चल रहा है जैसे सन्तरों की पेटियाँ और लकड़ी के फट्टे व तख्ते। कमरे के अगले भाग में एक ओर हमारा पियानो है जो दीवार से कुछ हटकर रखा गया है। इससे हमारे संग्रहालय का कोना बन जाता है। पियानो के ऊपर एक काले बड़े कटोरे में पतझड़ की रंग-बिरंगी पत्तियाँ हैं। कमरे के सामने ही दो चित्र-फलक भी हैं जो अपने इस्तेमाल होते रहने का प्रमाण देते हैं। कमरे की दीवारों पर वे सब चित्र टँगे हैं जो इन चित्र-फलकों पर बनाए गए हैं। काले सूचना-पट्ट पर चारकोल से बने पेड़ों के चित्र हैं जिन्हें तरतीब से मढ़ा भी गया है। पिछले साल एना व सोफिया ने जो दीवार लटकनें बनाई थीं वे भी दीवार पर टँगी हैं। कमरे के एक ओर खिड़कियों के नीचे सामाजिक अध्ययन की समस्याओं और शब्दावली के चार्ट और उत्तर-मध्य राज्यों के कुछ नक्शे भी हैं। रसोई घर के आलों पर भूरे, हल्के भूरे व क्रीम चौखटों वाला मोमजामा बिछा है। नया स्क्रीन, जिसके तीन फलकों पर पतझड़, सर्दियों व बसन्त के दृश्य अंकित हैं, हमारी रसोई और कपड़े टाँगने वाले कक्ष को जुदा करता है। नारंगी, हरी व क्रीम धारियों के जाली वाले पर्दे आज जैसे बुझे-बुझे रंगहीन दिन में भी समूचे कमरे में एक गुलाबी आभा बिखेर रहे हैं। लड़कियों ने यह सब देख सन्तोष की साँस ली और कहा, "कितना अच्छा लग रहा है ना मिस वेबर?"

*बुधवार, 20 अक्तूबर*

स्कूल के बाद प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को आइरीन ने अपने जन्मदिन की दावत में बुलाया था। श्रीमती रेमसे, उनकी एक सहेली और मैं बच्चों को लेकर पहाड़ी के ऊपर से होते हुए जंगल में उनके पत्थर से बने खूबसूरत घर गए। यह घर रेमसे परिवार और उनके परिचारक ने मिलकर बनाया था। हमने वहाँ आइसक्रीम और केक खाया। अल्पाहार के बाद हम जंगल में घूमने गए। लौटने पर हम फर्श पर गोल घेरे में बैठ गए और हमने गीत गाए। विलियम ने कहा कि वह तीन भागों वाले गीत "एमेरिलिस" को गाना चाहता है। इस पर मैं बोली कि यह कैसे होगा, बड़े बच्चे तो हैं ही नहीं। पर उन्होंने तब भी इसे गाया! उन्होंने तीन भागों वाले गीत "आओ, मेरे पीछे-पीछे आओ" को भी गाया और उन्हें बड़े बच्चों की मदद की ज़रूरत ही नहीं पड़ी! मैं भौंचक थी, श्रीमती रेमसे भी। मेरा ख्याल है कि हमें बच्चों की क्षमताओं के बारे में लगातार नई-नई बातों का पता चलता रहता है।

घर लौटते समय भी बड़ा मज़ा आया। मेरी कार में एल्बर्ट, फ्लोरेंस, जॉयस, वॉल्टर, विलियम, एरिक, पर्ल और एलिज़ाबेथ थे। चाँद निकल आया था और हमारा ध्यान अपनी ओर खींच रहा था। विलियम ने जानना चाहा कि क्या चाँद गर्म होता है। एल्बर्ट को जवाब का पता था और उसने परावर्तित प्रकाश के बारे में बताया। उसने यह भी बताया कि "चन्दा मामा" पर पहाड़ और गड्ढे भी हैं जो उसके चेहरे जैसे दिखते हैं। उन्हें चाँद पर बात कर मज़ा आया। जब चाँद पर कुछ बादल आ गए तो फ्लोरेंस बोली, "देखिए, मिस वेबर, चन्दा मामा ने टोपी पहन ली है।" "अरे, अब तो उसने मूँछें लगा ली हैं।" "अब वह जेल में बन्द है।" "अब वह ताक-झाँक कर रहा है।" एल्बर्ट और फ्लोरेंस को आखिर में उतरना था। एरिक को उतारने के बाद एल्बर्ट बोला, "चलो गाएँ और देखें कि थॉमसन परिवार के घर से हमारा घर कितने गीत दूर है।" हमने पाया कि यह दूरी तीन गीतों की थी।

*शुक्रवार, 22 अक्तूबर*

आज स्वास्थ्य के पीरियड में हमने नियमित नहाने पर बात की। हमारे समूह के कई बच्चों को यह सबक सीखने की सख्त ज़रूरत है। इन बच्चों को नहाने का पानी दूर से लाना पड़ता है, सो इनके लिए नहाने का मतलब होता है श्रम। हमने स्पंज से नहाने पर बात की और यह समझा कि पूरा शरीर पानी में न डुबोया

जाए तो भी उसे साफ किया जा सकता है।

आज शाम सिलाई क्लब की बैठक में चौदह सदस्य उपस्थित थे। इनमें आसपास की वे सभी लड़कियाँ शामिल हैं जो इस क्लब की सदस्य हो सकती हैं। सीयर्स व रीबक के नमूने आ चुके थे और हमने कपड़े की गुणवत्ता और उसकी कीमतों पर बात की। हमने उन्हें रगड़कर देखा कि कहीं माण्ड तो नहीं लगा है, तब उन्हें धोया ताकि यह भी जाँच लें कि कहीं छापों का रंग तो नहीं निकलता है, और कपड़ा कितना सिकुड़ता है। फिर हमने उन रंगों के बारे में कुछ बात की जो हमारी चमड़ी और बालों के रंग के हिसाब से उचित होंगे। बैठक खत्म होने से पहले हम अपने ऑर्डर फॉर्म और मनीऑर्डर के पर्चे भर चुके थे ताकि कपड़ा मँगवाया जा सके।

*शनिवार, 23 अक्तूबर*

आज मैं उन लड़कियों को वेस्टन ले गई जो पिछली बार नहीं गई थीं। उन्होंने भी ब्लाउज़ों और फ्रॉकों के नमूने चुन लिए।

*सोमवार, 25 अक्तूबर*

आज सामाजिक अध्ययन में हमने उत्तर-मध्य के राज्यों की तुलना न्यू जर्सी और उत्तर-पूर्वी राज्यों से की। बच्चों ने नौ अन्तर पहचाने। बच्चों ने उत्तर-मध्य राज्यों पर अच्छी पुस्तिकाएँ तैयार की हैं और उनमें जो कुछ लिखा है उसे वे ठीक से समझते हैं।

*बुधवार, 27 अक्तूबर*

आज माताओं के साथ इस सत्र की पहली बैठक हुई। स्कूल के बाद तीन समितियों के बच्चे रुके ताकि बैठक में मदद कर सकें। पहली समिति ने माताओं के लिए चाय-नाश्ता व उन छोटे बच्चों के लिए कोको बनाया जिन्हें अपनी माताओं के लिए रुकना पड़ा। दूसरी समिति ने इन बच्चों को खेल व गतिविधियों में व्यस्त रखा। तीसरी समिति ने माताओं की सुविधा का ख्याल रखा और उन्हें स्कूल के काम के बारे में बताया। आठ माताएँ आईं। जब रैल्फ श्रीमती थॉमस, श्रीमती विलियम्स और श्रीमती हिल को हमारे काम के बारे में बता रहा था तो इनेज़ की नज़र उस पर गड़ी थी। वे बाद में बोलीं, "रैल्फ ऐसा

कुछ करेगा यह उम्मीद तो उससे मैंने कभी नहीं की थी।"

*सोमवार, 1 नवम्बर*

जब से बच्चों को *करेन्ट इवेन्ट्स* व *माई वीकली रीडर* मिलने लगे हैं उनकी रुचि दुनिया की घटनाओं में बढ़ी है। हम जिन स्थानों के बारे में पढ़ रहे हैं उनको नक्शे पर चिह्नित करते जा रहे हैं। आज हेलेन ने चीन और जापान की सीमाएँ चिह्नित कीं और हमें समझाईं। फिलिपीन्स जापान के इतना पास है कि हमारी चर्चा अमरीका और उसके उपनिवेशों के रिश्तों की ओर बढ़ी। बच्चों को लगा कि अच्छा हो अगर हम नक्शे में उन स्थानों पर संख्याएँ लिख दें जिनके बारे में हम जान रहे हैं, और एक कुंजी बना लें जो इन स्थानों की कहानी बताए। कुंजी एक पुस्तक के रूप में होगी जिसमें हर संख्या की व्याख्या एक पृष्ठ पर होगी।

*गुरुवार, 4 नवम्बर*

इस सप्ताह लड़कों ने खेलघर की छत पर तारकोल वाला कागज़ चिपकाया ताकि अन्दर पानी न रिसे। उन्होंने खिड़कियों पर जाली भी लगाई। आज फ्रैंक और जॉर्ज ने खेलघर का फर्श लगाने में कार्टराइट लड़कों और एण्ड्रयू की मदद की। उन्होंने दरवाज़ा भी लगा दिया। वॉल्टर और विलियम ने सभी लट्ठों को मज़बूती से बाँध दिया और लड़कों ने उसे रँगना शुरू किया।

यह सप्ताह शान्ति से गुज़रा है। सभी बच्चे विभिन्न कामों और खेलों में व्यस्त रहे। रूथ सफल जनरल मैनेजर सिद्ध हो रही है, और वह इस बात का ख्याल रखती है कि कमरा साफ और व्यवस्थित हो। रैल्फ सफल अध्यक्ष है और बच्चे उसकी बात सुनते हैं। मेरी कुशल बच्ची है। वह हर दिन छोटे बच्चों को कुछ न कुछ पढ़कर सुनाती है और उन्हें नर्सरी कविताएँ सिखा रही है। प्राथमिक बच्चे उस मिट्टी से खिलौने बनाते हैं जो हम हिल परिवार के घर के पास की नहर से लाए थे। वे चित्र-फलक का उपयोग कर चित्र भी बना रहे हैं। वे कहानियाँ रचते हैं, अपनी कहानियों को नाटकीय रूप देते हैं, और सप्ताह में दो बार कविताएँ सुनते-सुनाते हैं। वे अपने खेलघर के विकास पर नज़र रखे हुए हैं और बेताबी से उस दिन का इन्तज़ार कर रहे हैं जब वह तैयार हो जाएगा। छोटे बच्चों

पर इस साल ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

*शुक्रवार, 5 नवम्बर*

आज दोपहर हुई सहायक क्लब की बैठक बड़ी रोचक रही। बच्चों का कहना था कि यद्यपि हम कोशिश तो यही करते हैं कि नाहक बोलकर दूसरों के काम में बाधा न डालें, फिर भी कक्षा में काफी शोर रहता है। स्थिति सुधारने के बारे में उन्होंने कई सुझाव दिए। प्राथमिक कक्षा में नए आए बच्चे जब मिट्टी कूटते हैं तब काफी शोर मचता है। मेरी को कहा गया कि वह उन्हें मिट्टी तैयार करना सिखाए ताकि शोर कम हो। यह भी तय किया गया कि उनकी मेज़ कुछ दूर सरका दी जाए ताकि अन्य कामों में लगे बच्चे परेशान न हों। बच्चों ने पेंसिलें छीलने के घण्टे भी तय कर दिए ताकि यह गतिविधि पूरे दिन न चलती रहे। रूथ ने सबको बताया कि बिना शोर किए मेज़ें कैसे खोली और बन्द की जा सकती हैं। अध्यक्ष ने फ्रैंक को कुर्सियों को तेल पिलाने के लिए कहा ताकि वे चरमराकर आवाज़ न करें।

स्कूल के बाद सिलाई क्लब मिला। हाई स्कूल की दो लड़कियाँ फ्रॉक बनाने का कपड़ा लाई थीं। मार्था और पर्ल ने गमलों की लटकनें बनाना शुरू किया क्योंकि उन्होंने पहले कभी सिलाई नहीं की थी।

*सोमवार, 8 नवम्बर*

आज सुबह मुझे बाज़ार से खेलघर के लिए और रंग खरीदना था, जिससे मुझे देर हो गई। मैं समझ गई कि स्कूल शुरू होने से पहले सारे काम मैं कर नहीं सकूँगी। रैल्फ और एडवर्ड बाहर खड़े थे, मैंने उन्हें हाँक लगाई। "बच्चो, आज क्या अलाव तुम लोग जला लोगे ताकि स्कूल समय पर शुरू हो सके? मुझे ढेरों दूसरे काम भी करने हैं।" एडवर्ड कुछ बड़बड़ाया, पर उसने आकर राख साफ की। फिर यह बुदबुदाते हुए कि "मैंने अपने हिस्से का काम कर दिया है," वह बाहर निकल गया। रैल्फ अन्दर आया ही नहीं। दूसरे लड़कों के आने पर रैल्फ ने सलाह दी, "मिस वेबर के लिए लकड़ियाँ न जलाना, उन्हें खुद करने दो।" इसके बावजूद पाँच लड़कों ने आग जला दी। इसके कारण स्कूल दस मिनट देर से शुरू हुआ। पर यह कमी हमने दोपहरी के घण्टे में पूरी कर ली। बड़े

लड़कों को यह बात पसन्द नहीं आई। पर मैंने इस मसले को अनदेखा करना ही बेहतर समझा। सम्भव है यह रुख अस्थायी हो।

*मंगलवार, 9 नवम्बर*

लड़के आज खुश थे और दोपहर तक का समय चैन से गुज़रा। कुछ बच्चे अपना खाना खाने खेलघर में बैठे। कुछ ही देर में जोसेफ रोता-रोता बाहर आया। फ्रैंक ने उसे जाली की तरफ धकिया दिया था, जिसका कोना उखड़ आया। फ्रैंक ने कहा कि जोसेफ ने ऐसा जानबूझकर किया था, पर कार्टराइट बच्चों और वॉरेन का कहना था कि फ्रैंक सच नहीं बोल रहा है। मैंने यथासम्भव धीरज भरी आवाज़ में फ्रैंक से कहा, "फ्रैंक, तुम्हें जाली ठीक करनी होगी और कुछ समय तक खेलघर में बैठ खाना नहीं खाओगे।" मेरे जाने के बाद फ्रैंक और रैल्फ खेलघर से बाहर निकले और उन्होंने उस पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। फ्रैंक ने जानबूझकर एक जाली और उखाड़ दी। मुझे बेहद गुस्सा आया और मैं आपा खो बैठी। मुझे याद नहीं आता कि मैंने क्या-क्या कहा और मैं यही उम्मीद लगाए बैठी हूँ कि दूसरों को भी वह सब भूल गया होगा। जब मैं शान्त हुई तो अपने इर्द-गिर्द स्तब्ध और चकित बच्चों को पाया। शेष बच्चों को खेलने भेज मैंने फ्रैंक और रैल्फ को बिठाकर बात की। मैंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि मैं नाराज़ हो गई थी और तब जानना चाहा कि हमें क्या करना चाहिए। लड़कों ने कहा कि वे तोड़-फोड़ की मरम्मत कर देंगे। हम में से किसी का भी बात करने का मन नहीं था। शेष दोपहर शान्ति से कटी, पर जो गलती मुझसे हुई थी उसकी वजह से मैं बेहद दुखी रही। दोपहर चुपचाप और उदास थी। अब पलटकर घटनाक्रम पर नज़र डालती हूँ तो लगता है कि मैं अपने आप को लेकर दुख मना रही थी और मैंने लड़कों के आचरण को अकृतज्ञता का प्रदर्शन मान लिया था। लड़के जानबूझकर अकृतज्ञता नहीं दर्शाते। उनका जो आचरण है उसकी वजह कुछ और ही है।

*बुधवार, 10 नवम्बर*

शिकार के मौसम का आज पहला दिन था और श्री जोन्स रैल्फ को अपने साथ ले गए थे। रैल्फ की अनुपस्थिति में फ्रैंक को किसी दूसरे से सहारा नहीं मिला और कोई गड़बड़ नहीं हुई। वह चुप रहा पर उसकी चुप्पी विद्रोह की चुप्पी नहीं

थी, क्योंकि उसे जो काम मैंने बताए उसने चुपचाप कर डाले। कई बच्चों ने बताया कि कल शाम घर लौटते समय फ्रैंक चीखता रहा था कि अगर मैंने फिर कभी उसके घर जाने की ज़ुर्रत की तो वह मेरी गाड़ी के सभी पहियों पर गोली चलाएगा। काश कोई तरीका होता जिससे मुझे वह बात पता चल जाती जो उसे परेशान कर रही है। समूह का नज़रिया मौन सहानुभूतिभरा है। वे मेरे साथ हैं।

*गुरुवार, 11 नवम्बर*

आज फ्रैंक शिकार पर गया और रैल्फ के साथ सब ठीक-ठाक रहा। स्कूल के बाद रैल्फ ने पूछा कि क्या वह गैराज तक गाड़ी में मेरे साथ जा सकता है। रास्ते में मुझे उससे बात करने का मौका मिला। उसने तय कर लिया है कि वह हमारे किसी भी क्लब का सदस्य नहीं रहेगा। जब मैंने पूछा क्यों तो उसका जवाब था, "इसका फायदा क्या है?" कुछ और बात नहीं हुई। मैं समझ गई कि शब्दों से किसी भी चीज़ का फायदा रैल्फ को समझाया नहीं जा सकता।

*शुक्रवार, 12 नवम्बर*

आज सुबह मैंने रैल्फ से बालटी भर कोयले लाने को कहा। लौटने पर उसने पूछा, "मिस वेबर, क्या मैं खाली समय में कोयला घर साफ कर दूँ? कोयले निकालने हों तो उसमें घुसा ही नहीं जाता।"

दोपहर खाने से पहले जब हम हाथ धो रहे थे तो फ्रैंक लाइन से हट गया ताकि सभी लड़कियाँ पहले हाथ धो सकें। तब उसने कहा, "आप भी हाथ धो लें, मिस वेबर, मैं इन्तज़ार कर सकता हूँ।" आज दोपहर उसने पूछा, "उस नन्हे घर पर हम फिर से काम कब शुरू करेंगे?"

मैं फिर से खुश हो चली थी जब जोन्स परिवार की दो सबसे बड़ी लड़कियाँ मिलने आ गईं। वे जब आईं तो हम बाहर खेल रहे थे। मार्था और रैल्फ शान दिखाने में लग गए, जिससे सबका खेल खराब हो गया। जोन्स लड़कियों को उनकी करतबों में मज़ा आया और वे हँस-हँसकर बेहाल हो गईं। रैल्फ ने कोयलाघर की सफाई शुरू कर दी थी। छुट्टी होते ही वह अपनी बहनों के साथ घर चलता बना और कोठार में रखी लकड़ियों और बक्सों को बाहर छोड़ गया। यह सब सोमवार तक बाहर नहीं छोड़ा जा सकता था, सो जो लड़कियाँ स्कूल

में छुट्टी के बाद रुकी हुई थीं उन्हें ही यह अटाला वापस रखना पड़ा।

श्रीमती ओल्सेउस्की स्कूल के बाद मिलने आईं। उन्होंने प्रिन्लैक परिवार की शिकायत की और कहा कि पिछले सप्ताह भर से वे असह्य गाली-गलौज करते रहे हैं और बेहद बुरा बर्ताव भी। उन्होंने धमकी दी कि वे चली जाएँगी। एक और पड़ोसी भी कह रहा है कि अगर यह सब जारी रहा तो वह पुलिस में शिकायत करेगा।

*शनिवार, 13 नवम्बर*

आज मैंने बहुत सोच-विचार किया। इस साल स्कूल की कई समस्याएँ हमारे आस-पड़ोस की अधिक व्यापक समस्याओं से उपजी हैं। इसलिए ऐसा लगता है कि अगर स्कूल को अपने बच्चों के स्कूली जीवन में कोई वांछनीय बदलाव लाना है तो उसे समुदाय में भी बदलाव लाना होगा।

एक एकाकी, दूरदराज इलाके में स्थित एकल-शिक्षक विद्यालय की भूमिका दरअसल है क्या? उसका पहला और मेरी नज़र में सबसे महत्वपूर्ण काम है पाठ्यचर्या को ऐसी शक्ल देना कि वहाँ पढ़ने आने वाले बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। ऐसा कर पाने के लिए ज़रूरी होगा कि स्कूल युवाओं और वयस्कों की आवश्यकताओं को भी पूरा करे। इन आवश्यकताओं में स्वस्थ मनोरंजन और अध्ययन के अवसर, व्यक्तिगत व सार्वजनिक स्वास्थ्य के बेहतर मानदण्ड, बेहतर घरेलू वित्त व्यवस्था व कृषि के नए उपाय सीखने के अवसर, जीवन में आध्यात्मिक ताज़गी व सौन्दर्य, और साझा समस्याओं का समाधान तलाशने के लिए परस्पर सहकार आदि शामिल हैं।

ज़ाहिर है कि ये तमाम काम स्कूल अकेले नहीं कर सकता, पर आस-पड़ोस के जीवन को सुधारने के लिए जो कुछ वह कर सकता है उसे करना चाहिए, क्योंकि बाहरी ताकतें इतनी सशक्त होती हैं कि वे स्कूल के काम में बाधक बन जाती हैं। मुझे शुरुआत भला कहाँ से करनी चाहिए?

युवा वर्ग प्रारम्भिक शिक्षा कार्यक्रम के प्रति असंवेदनशील है, क्योंकि उसे इसकी समझ ही नहीं है। वे, खासकर रैल्फ की बहनें, इस छोटी-सी शाला पर छींटाकशी करती रहती हैं। इन नवयुवाओं को मनोरंजन का एक ही साधन पता

है, और वह है सड़कों पर घूमना और एक-दूसरे से मसखरी करना। अगर स्कूल में हम कोई सामाजिक अवसर पैदा करके आपस में मिल सकें तो सम्भवतः उनका नज़रिया बदले। और कुछ नहीं तो इस बिन्दु से शुरुआत तो की ही जा सकती है।

*गुरुवार, 18 नवम्बर*

आज शाला भवन में युवाओं के साथ हमारी पहली बैठक आयोजित की गई। इसमें दस युवा आए थे। मैंने उन्हें तीन लोकनृत्य सिखाए . . . वे सामाजिक नृत्य भी सीखना चाहते हैं। हमने रिकॉर्डों व सुइयों की व्यवस्था के लिए एक समिति चुनी। सभी खुश नज़र आ रहे थे, यद्यपि शोरगुल काफी मचा।

*बुधवार, 24 नवम्बर*

पिछले तीन दिन हमने पिछले काम सलटाने में लगाए। लड़कों ने खेलघर की रँगाई पूरी की। छोटे बच्चों ने फर्श पर लाइनोलियम की फर्शी लगाई, चिन्दियों वाली दो दरियाँ बिछाईं, एक मेज़ तथा सन्तरों के बक्सों से बनी चार कुर्सियाँ रखीं जिन पर कुशन हैं। गुड़ियों का एक पालना, एक सन्दूक और एक अलमारी भी सजा दी गई। खेलघर बनाने के बारे में वे जो पुस्तिकाएँ तैयार कर रहे थे, वे पूरी हो चुकी हैं और अब कमरे में प्रदर्शित हैं। बड़े बच्चों ने उत्तर-पूर्वी राज्यों पर अपनी किताबें भी तैयार कर ली हैं। उन्होंने अपना काफी समय अखबार के लिए लेख लिखने और चित्र बनाने में लगाया है।

*सोमवार, 29 नवम्बर*

आज की सुबह बसन्त की सुबह जैसी थी। कल रात गर्म बरसात हुई और दलदल के नन्हे झींगुर गुनगुनाने लगे। मेरे चेहरे पर गर्म हवा का स्पर्श हुआ और मेरी आँखें खुल गईं। मैं जग चुकी थी, तरोताज़ा और काम के लिए तैयार। छुट्टियाँ सुखद होती हैं! शायद यही कारण था कि हमारा दिन इतना अच्छा गुज़रा। एरिक ने पहली बार शर्माया-सा "गुड मॉर्निंग" कहा। सुबह के कामों में कई बच्चों ने स्वेच्छा से हाथ बँटाया।

छोटे बच्चों ने आज लगभग दो घण्टे खेलघर में बिताए। उनका सामूहिक रूप से खेलना विशेष महत्व रखता है, क्योंकि ये बच्चे इतनी दूर-दूर रहते हैं कि

स्कूल के बाद एक-दूसरे से मिलने का उन्हें कोई मौका ही नहीं मिलता। फ्लोरेंस माँ बनी और रिचर्ड पिता। जॉयस और एलिज़ाबेथ बड़ी बहनें बनीं। एरिक जंगलों में स्थित एक दुकानवाला बना। आइरीन मिलने आई कोई रिश्तेदार बनी। उन्होंने गुड़िया के कपड़े धोए और उन्हें एक रस्सी पर सुखाया। रिचर्ड पानी लेकर आया। दोपहर को बच्चे मेरे पास आए और कहने लगे कि उन्हें एक स्टोव, थालियाँ और सफाई करने की चीज़ें चाहिए। हम जो चीज़ें खुद बना सकते हैं बनाएँगे और बाकी स्कूल कोष से खरीद देंगे। स्कूल के बाद वॉरेन, रैल्फ और मैं मिले ताकि अखबार की तैयारी कर लें। लड़कों ने अच्छा सम्पादकीय लिखा। काम खत्म हुआ तो रैल्फ बच्चों की लिखी कविताएँ पढ़ना चाहता था। सो हम तीनों ने हमारे छोटे से समूह के रचनात्मक प्रयासों को पढ़ा और उनका आनन्द लिया।

# 5

# हमें रचनात्मक शक्ति का अनुभव हुआ

*मंगलवार, 30 नवम्बर*

पहले की ही तरह दिसम्बर माह में सामाजिक अध्ययन के पीरियड का उपयोग हम क्रिसमस पर खेले जाने वाले नाटक की तैयारी के लिए करेंगे।

हम एक सतत बदलती दुनिया में निवास करते हैं। ऐसी दुनिया में प्रभावी ढंग से बने रहना हो तो हमें इसका सामना रचनात्मक तरीकों से करना होगा। हम सब में रचनात्मक शक्ति के ऐसे संसाधन हैं जिन्हें हमने टटोला तक नहीं है। इस रचना शक्ति को मुक्त करने से पहले हमें उन तमाम बन्धनों को तोड़ना होगा जो हमने आलोचना के डर से या हीन बोध के कारण बना लिए हैं। पाठ्यचर्या को विकसित करने में कुछ चीज़ें चुननी पड़ती हैं। यह स्कूलों की मुख्य ज़िम्मेदारी होती है।

इन शर्मीले, झिझक से भरे लड़के-लड़कियों को स्वयं को रचनात्मक व्यक्तियों के रूप में पहचानने की ज़रूरत है। आवश्यकता है कि उनमें आत्मविश्वास व सन्तुलन विकसित हो और वे मुक्त हो जाएँ। यह काम हम रचनात्मक नाटकों के माध्यम से करेंगे क्योंकि मैं स्वयं को इस माध्यम में काफी सहज पाती हूँ।

*बुधवार, 1 दिसम्बर*

आज सुबह मैंने बच्चों को एक फ्रांसीसी किंवदन्ती "नन्हे वॉल्फ की खड़ाऊँ" सुनाई। मैंने उसमें यथासम्भव बारीक वर्णन जोड़ा। सभी दृश्यों के बारे में विस्तार से बताया और रोचक वार्तालाप सुनाए। बच्चों को कथा पसन्द आई।

कुछ देर हमने यह चर्चा की कि इस कहानी को कैसे बढ़ाया जा सकता है और